पंजाब केसरी

*Mon, 13 Jan 2020*

# तेजस की आईएनएस विक्रमादित्य से सफल 'स्की-जंप' उड़ान

नई दिल्ली, (भाषा) : देश में निर्मित हलके लड़ाकू विमान तेजस के नौसैनिक संस्करण ने रविवार को विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य के "स्की-जंप' डेक से सफलतापूर्वक उड़ान भरी। यह इस विमान के विकास की दिशा में बड़ी उपलब्धि है। स्की-जंप विमानवाहक पोत के डेक पर हलका घुमावदार अग्र छोर होता है जो लड़ाकू विमानों को उड़ान भरने के लिये पर्याप्त प्रक्षेप प्रदान करता है। नौसेना के एक प्रवक्ता ने कहा, "तेजस के नौसैनिक संस्करण ने आईएनएस विक्रमादित्य से सफलतापूर्वक पहला स्की-जंप टेकऑफ कर आज एक और मील का पत्थर हासिल किया।' विमान ने शनिवार को आईएनएस विक्रमादित्य पर पहली बार लैंडिंग की थी, वह भी एक अहम कदम था।

## विमानवाहक पोत पर विमान की सफल लैंडिंग और टेकऑफ भारत की बड़ी सफलता

विमानवाहक पोत पर विमान की सफल लैंडिंग और टेकऑफसे भारत उन चुनिंदा देशों के समूह में शामिल हो गया है जो ऐसे लड़ाकू विमानों की डिजाइन में सक्षम हैं जिनका संचालन विमानवाही पोत से किया जा सकता है। तेजस के नौसैनिक संस्करण का विकास, रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन द्वारा एयरोनॉटिकल डेवलपमेंट एजेंसी, हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड के एयरक्राफ्ट रिसर्च एंड डिजाइन सेंटर, सेंटर फॉर मिलिट्री एयरवर्दीनेस एंड सर्टीफिकेशन और सीएसआईआर समेत कई दूसरी एजेंसियों के साथ मिलकर किया गया है।

The Tribune
VOICE OF THE PEOPLE

*Mon, 13 Jan 2020*

# IAF to receive 200 more fighter jets

Kolkata: The government is in the process of acquiring around 200 aircraft to cope with the depleting aerial inventories of the Indian Air Force, Defence Secretary Ajay Kumar said here today.

The contract for HAL-manufactured 83 LCA Tejas Mark 1 A advanced fighter jets are in the final stages, he said.

Apart from these, Expression of Interest (EOI) has been floated for another 110 aircraft, based on which Request for Proposal (RFP) will be floated, Kumar said.

"Roughly (for) 200 aircraft, the acquisition is in process," he said. "We are in the process of finalising the contract for 83 Light Combat Aircraft (LCA) Mark 1 A, which are advanced fighters to meet the urgent needs of India," the Defence Secretary told reporters on the sidelines of commissioning Indian Coast Guard vessels here.

Kumar said the contract for the LCAs will be signed "definitely this year".

"We want to do it as soon as possible," the Defence Secretary said when asked whether a time frame has been finalised by which the new aircraft are to be acquired.

Kumar said with the design having been finalised, state-run aerospace behemoth Hindustan Aeronautics Limited (HAL) will be ramping up production of the LCA Mark 1 A jets from 8 to 16 per year. — PTI

**HAL to ramp up production**

- The contract for HAL-manufactured 83 LCA Tejas Mark 1 A advanced fighter jets is in the final stages
- Apart from these, expression of interest has been floated for another 110 aircraft, based on which request for proposal will be floated
- With the design having been finalised, Hindustan Aeronautics Limited will ramp up production of the LCA Mark 1 A jets from 8 to 16 per year

*https://www.tribuneindia.com/news/iaf-to-receive-200-more-fighter-jets-25365*

नवभारत टाइम्स

*Mon, 13 Jan 2020*

# रिटायर हो रहे लड़ाकू विमानों की कमी पूरी करने के लिए 200 फाइटर जेट खरीदेगी सरकार

***कुल 200 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए प्रक्रिया चल रही है। रक्षा सचिव ने कहा कि हम 83 तेजस लड़ाकू विमानों के कॉन्ट्रैक्ट को जल्द ही फाइनल कर देंगे। इससे भारत को अपनी हवाई सुरक्षा के लिए तत्काल जरूरी लड़ाकू विमान मिल सकेंगे।***

***हाइलाइट्स***

- ***एयरफोर्स में कम होते लड़ाकू विमानों को देखते हुए सरकार 200 फाइटर जेट्स खरीदने वाली है***
- ***हिंदुस्तान एरोनॉटिकल्स लिमिटेड की ओर से तैयार किए जा रहे 83 तेजस लड़ाकू विमानों का कॉन्ट्रैक्ट आखिरी राउंड में है***
- ***मौजूदा वक्त में एयरफोर्स के बेड़े में मिराज 2000, सुखोई 30 MKI और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमान हैं***

**कोलकाता**: एयरफोर्स में कम होते लड़ाकू विमानों को देखते हुए सरकार 200 फाइटर जेट्स खरीदने वाली है। रक्षा सचिव अजय कुमार ने रविवार को कहा कि एयरफोर्स में लगातार कम होते फाइटर जेट्स की समस्या से निपटने के लिए यह कदम उठाया गया है। उन्होंने कहा कि हिंदुस्तान ऐरोनॉटिकल्स लिमिटेड की ओर से तैयार किए जा रहे 83 तेजस लड़ाकू विमानों का कॉन्ट्रैक्ट आखिरी राउंड में है।

रक्षा सचिव अजय कुमार ने कहा कि इन 83 लड़ाकू विमानों के अलावा 110 अन्य के लिए प्रस्ताव मांगे गए हैं। उन्होंने कहा कि इस तरह से कुल 200 लड़ाकू विमानों की खरीद के लिए प्रक्रिया चल रही है। रक्षा सचिव ने कहा कि हम 83 तेजस लड़ाकू विमानों के कॉन्ट्रैक्ट को जल्द ही फाइनल कर देंगे। इससे भारत को अपनी हवाई सुरक्षा के लिए तत्काल जरूरी लड़ाकू विमान मिल सकेंगे।

**एयरफोर्स के बेड़े में अभी मिराज, सुखोई और मिग-29**

तेजस फाइटर जेट्स को एयरफोर्स में शामिल किए जाने की समयसीमा पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि हम इस प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा करना चाहते हैं। इसके साथ ही उन्होंने आउटसोर्सिंग की भी बात कही। बता दें कि मौजूदा वक्त में एयरफोर्स के बेड़े में मिराज 2000, सुखोई 30 MKI और मिग-29 जैसे लड़ाकू विमान हैं। इसके अलावा जगुआर और मिग 21 बाइसन भी हैं, जो काफी पुराने हो गए हैं।

**मिग-27 ने भरी आखिरी उड़ान, करगिल में दिया था योगदान**

गौरतलब है कि हाल ही में जोधपुर एयरबेस पर करीब 4 दशकों तक सेवा देने के बाद मिग-27 फाइटर जेट्स ने आखिरी उड़ान भरी थी। इन विमानों ने करगिल युद्ध के दौरान अहम भूमिका अदा की थी और पाकिस्तान के ठिकानों पर चुन-चुनकर बम बरसाते हुए उसके खतरनाक मंसूबों को नेस्तनाबूद किया था।

*https://navbharattimes.indiatimes.com/india/india-to-acquire-200-fighter-jets-for-air-force-says-defence-secretary/articleshow/73215608.cms*